

# पंडित दीनदयाल उपाध्याय और उनके विचारः एक व्यापक

## विश्लेषण

अनिल कुमार दुबे<sup>1</sup> and डॉ. दीपशिखा शर्मा<sup>2</sup>

<sup>1</sup>शोधार्थी, हिंदी-विभाग

<sup>2</sup>असिस्टेंट प्रोफेसर, हिंदी-विभाग

सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान

### सारांश

आज की आधुनिक दुनिया एक ऐसे मॉडल की तलाश कर रही है जो अपने आप में एकरूप, एकीकृत और टिकाऊ हो। एकात्म मानववाद में वे गुण हैं जो दुनिया को पंक्ति में अंतिम व्यक्ति तक विकास की ओर ले जा सकते हैं। यह उपभोक्तावाद के नकारात्मक प्रभाव से निपटने में प्रभावी रूप से काम करेगा जिसका सामना भारत में समाज कर रहा है, लोग अपनी ज़रूरत के हिसाब से सामान और सेवाएँ नहीं खरीदते हैं बल्कि दूसरों को दिखाते हैं।

**मुख्य संकेतकः** - राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय राजनीति, सामाजिक समरसता।